University in News on 02 September 2024

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

प्रथम वर्ष के विद्यार्थी कल तक कराएं प्रमाणपत्रों का सत्यापन

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में प्रथम वर्ष में दाखिला पाने वाले स्नातक और परास्नातक विद्यार्थियों को दो दिनों में अपने प्रमाणपत्र सत्यापित कराने होंगे। जिन विद्यार्थियों ने पहले ही प्रमाणपत्र सत्यापित करा लिए हैं, उनको दोबारा ऐसा नहीं कराना है। बाकी विद्यार्थियों में परास्नातक को सोमवार और स्नातक के विद्यार्थियों को मंगलवार को अपने प्रमाणपत्र सत्यापित कराने होंगे।

लविवि के प्रवक्ता प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि स्नातक प्रथम वर्ष के बीए, बीएससी, बीकॉम और बीकॉम ऑनर्स, बीवीए-बीएफए, बीबीए, बीबीए टूरिज्म, बीसीए और एलएलबी ऑनर्स के विद्यार्थियों को तीन सितंबर को अपने प्रमाणपत्र सत्यापित कराने होंगे। इन अभ्यर्थियों को संबंधित संकाय में दोपहर 12 बजे पहुंचना होगा।

पीजी के विद्यार्थी सोमवार को अपने विभाग में दोपहर एक बजे के बाद अपने प्रमाणपत्र सत्यापित करा सकते हैं।

लविवि ने स्नातक और परास्नातक पाठ्यक्रमों के छात्र-छात्राओं के लिए जारी किया निर्देश

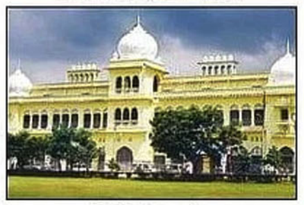

एमएससी केमिस्ट्री का ओरिएंटेशन आज

- लविवि के केमिस्ट्री विभाग के अध्यक्ष प्रो. अनिल मिश्रा ने बताया कि एमएससी के विद्यार्थियों का ओरिएंटेशन सोमवार सुबह 11:30 बजे होगा। विद्यार्थियों को अपने प्रमाणपत्र और फीस रसीद लेकर विभाग के ऑडिटोरियम में पहुंचना होगा।

i-NEXT PAGE 5

लेड फ्री सिलिकेट कांच से रेडिएशन का डर दूर!

एलयू के भौतिक विज्ञान विभाग के शिक्षक ने टीम के साथ किया शोध

CONCEPT PIC

LUCKNOW (1 SEP): लखनऊ विश्वविद्यालय के भौतिक विज्ञान विभाग ने एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है. विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डा. सीआर गौतम व उनके शोधार्थियों की टीम ने एक ऐसा लेड फ्री बेरियम टाइटेनियम सिलिकेट ग्लास (कांच) तैयार किया है, जो उच्च ऊर्जा विकिरण (रेडिएशन) के खतरे से बचाने का काम करेगा. मेल्ट क्वेंच विधि से बनाए जाने वाले इस ग्लास में जिर्कोनिया (एक तरह का केमिकल) भी कम मात्रा में मिलाया गया है. बीते पांच अगस्त को स्प्रिंगर नेचर पब्लिशिंग के प्रतिष्ठित जर्नल में यह शोधपत्र प्रकाशित भी किया गया है.

कांच में बढ़े पाए गए प्रकाशीय गुण

इस ग्लास में जिर्कोनिया को डोप किया गया है, जिससे इसकी रेडिएशन (विकिरण) रोधी क्षमता बढ़ती हुई पाई गई है. इसकी विशेषता यह भी है कि इससे विभिन्न प्रकार के निम्न ऊर्जा विकिरण से लेकर उच्च ऊर्जा विकिरण से भली-भांति बचाव किया जा सकता है जिसकी रेंज 0.015 से 15 मेगा इलेक्ट्रान वोल्ट (एमईवी) है. इसके अलावा इस कांच के प्रकाशीय गुण (जैसे अपवर्तनांक, प्रकाशीय परावैद्युतांक) बढ़े हुए पाए गए हैं. इसलिए विकिरण रोधी और आप्टो इलेक्ट्रानिक यंत्रों के निर्माण में इसका प्रयोग किया जा सकता है.

जीवन के लिए खतरनाक

इस शोध में डा. गौतम के साथ शोधार्थी रजत कुमार मिश्रा, सर्वेश कुमार अविनाशी और एमएससी के छात्र राहुल सिंह शामिल हैं. डा. गौतम बताते हैं कि उच्च ऊर्जा विकिरण से बचाने के लिए अभी तक बाजार, प्रयोगशाला या अन्य जगह पर लेड से बने कांच का ही उपयोग किया जाता है. लेड एक विषाक्त पदार्थ है, जो कि मानव एवं पर्यावरण दोनों के लिए ही बहुत खतरनाक है. ऐसे में लेड-फ्री कांच उच्च ऊर्जा विकिरण से बचाने के लिए बहुत ही उपयोगी सिद्ध होगा. गौरतलब है कि रेडिएशन के प्रभाव से न सिर्फ इंसानों बल्कि जानवरों को भी खतरा रहता है.

रेडिएशन के शरीर पर पड़ने वाले प्रभाव

- बदन का महसूस होना
- बालों का झड़ना
- मुंह की समस्या हो जाना
- स्वाद की पहचान न होना
- शरीर में जलन का महसूस होना
- आंखों में भारी पन आना

नोट- रेडिएशन के शरीर पर होने वाले प्रभाव कई साल बाद तक सामने आ सकते हैं.

हो रहे हैं कई रिसर्च

गौरतलब है कि रेडिएशन के खतरे से लोगों को बचाने के लिए पूरी दुनिया में रिसर्च किए जा रहे हैं. एलयू में किया गया यह रिसर्च इस क्षेत्र में काफी मददगार साबित हो सकता है.

डाक्यूमेंट्स की जांच का अंतिम मौका

लखनऊ विश्वविद्यालय ने स्नातक और परास्नातक कोर्सों में प्रोविजनल एलाटमेंट लेटर जारी होने के बाद भी अभी तक अभिलेख सत्यापन न कराने वाले छात्र-छात्राओं को एक और मौका दिया है. परास्नातक में अभिलेख सत्यापन दो सितंबर को दोपहर एक बजे के बाद और स्नातक में तीन सितंबर को 12 बजे के बाद करा सकते हैं. प्रवेश समन्वयक डा. अनित्य गौरव ने बताया कि बीए (एनईपी) के विद्यार्थी पुराने परिसर के कला संकाय, बीएससी बायो, मैथ्स वाले विज्ञान संकाय, बीकाम और बीकाम आनर्स के विद्यार्थी वाणिज्य संकाय, बीवीए, बीएफए वाले अधिष्ठाता फाइन आर्ट कार्यालय में सत्यापन करा सकते हैं. वही, बीसीए का सत्यापन द्वितीय परिसर के इंजीनियरिंग संकाय, बीबीए का आइएमएस, बीबीए टूरिज्म का इंस्टीट्यूट आफ टूरिज्म और एलएलबी आनर्स वालों को विधि संकाय में सत्यापन कराना होगा. सभी को अपने साथ प्रोविजनल एलाटमेंट लेटर, फीस रसीद के साथ अपने मूल प्रमाणपत्र, अंक पत्र व खुद हस्ताक्षरित प्रति लानी होगी. दोपहर एक बजे के बाद संबंधित विभागों में सत्यापन करा सकते हैं.

लवि ने दिया अभिलेख सत्यापन का आखिरी मौका

जासं● लखनऊ: लवि ने स्नातक व परास्नातक कोर्सों में प्रोविजनल एलाटमेंट लेटर जारी होने के बाद भी अभिलेख सत्यापन न कराने वाले छात्र-छात्राओं को एक और मौका दिया है। परास्नातक में अभिलेख सत्यापन दो सितंबर को दोपहर एक बजे के बाद और स्नातक में तीन सितंबर को 12 बजे के बाद करा सकते हैं।

ओरिएंटेशन कार्यक्रम आज

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के रसायन विज्ञान विभाग में एमएससी प्रथम सेमेस्टर के छात्र-छात्राओं का ओरिएंटेशन कार्यक्रम सोमवार को होगा। छात्र-छात्राओं को विभाग के सभागार में सुबह 11:30 बजे पहुंचना होगा। (जासं)

टीमों का गठन

लखनऊ : लवि की सेंट्रल प्लेसमेंट सेल के प्रभावी संचालन के लिए विभिन्न टीमों का गठन किया गया है। सेल के निदेशक प्रो. एके भारतीय ने आनलाइन बैठक कर इंटर्नशिप आउटरीच टीम, कार्पोरेट कारेट रिलेशंस टीम, डिजिटल मीडिया टीम, मीडिया डाक्युमेंटेशन और कम्युनिकेशन टीम, क्रिएटिव डिजाइन टीमें बनाईं। (जाश)

JAGRAN CITY PAGE III

रेडिएशन के खतरे से बचाएगा लेड फ्री सिलिकेट कांच

जागरण संवाददाता ● लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के भौतिक विज्ञान विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डा. सीआर गौतम व उनके शोधार्थियों की टीम ने एक ऐसा लेड फ्री बेरियम टाइटेनियम सिलिकेट ग्लास (कांच) तैयार किया है, जो उच्च ऊर्जा विकिरण (रेडिएशन) के खतरे से बचाएगा। मेल्ट क्वेंच विधि से बनाए जाने वाले इस ग्लास में जिर्कोनिया (एक तरह का केमिकल) भी कम मात्रा में मिलाया गया। बीते पांच अगस्त को स्प्रिंगर नेचर पब्लिशिंग के प्रतिष्ठित जर्नल में यह शोधपत्र प्रकाशित हुआ है।

इस शोध में डा. गौतम के साथ शोधार्थी रजत कुमार मिश्रा, सर्वेश कुमार अविनाशी और एम.एससी के छात्र राहुल सिंह शामिल हैं।

डा. गौतम बताते हैं कि उच्च ऊर्जा विकिरण से बचाने के लि

लवि के शोधार्थी (बाएं से दाएं) रजत कुमार मिश्रा, एसोसिएट प्रोफेसर डा. सीआर गौतम, सर्वेश कुमार अविनाशी और राहुल सिंह ने उच्च ऊर्जा विकिरण के खतरे से बचाने के लिए लेड फ्री बेरियम टाइटेनियम सिलिकेट ग्लास तैयार किया ● सौजन्य से छात्र

बाजार, प्रयोगशाला या अन्य जगह पर लेड से बने कांच का ही उपयोग किया जाता है। लेड एक विषाक्त पदार्थ है, लिए ही बहुत खतरनाक है। ऐसे में लेड-फ्री कांच उच्च ऊर्जा विकिरण से बचाने के लिए बहुत ही उपयोगी सिद्ध

कांच में बढ़े पाए प्रकाशीय गुण

इस ग्लास में जिर्कोनिया को डोप किया गया है, जिससे इसकी रेडिएशन (विकिरण) रोधी क्षमता बढ़ती हुई पाई गई। इसकी विशेषता यह भी है कि इससे विभिन्न प्रकार के निम्न ऊर्जा विकिरण से लेकर उच्च ऊर्जा विकिरण से भली-भांति बचाव किया जा सकता है जिसकी रेंज 0.015 से 15 मेगा इलेक्ट्रान वोल्ट (एमईवी) है। इसके अलावा इस कांच के प्रकाशीय गुण (जैसे अपवर्तनांक, प्रकाशीय परावैद्युतांक) बढ़े हुए पाए गए। इसलिए विकिरण रोधी और आप्टो इलेक्ट्रानिक यंत्रों के निर्माण में इसका प्रयोग किया जा सकता है।

दीक्षा समारोह में मुख्य अतिथि होंगे सुपर कंप्यूटर के जनक विजय पांडुरंग

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के 16 सितंबर को होने वाले 67वें दीक्षा समारोह में मुख्य अतिथि पद्मश्री और भारतीय सुपर कंप्यूटर के जनक प्रो. विजय पांडुरंग भाटकर होंगे। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि विजय पांडुरंग को सुपर कंप्यूटिंग में भारत की राष्ट्रीय पहल के वास्तुकार के रूप में जाना जाता है, जहां उन्होंने परम सुपर कंप्यूटरों के विकास का नेतृत्व किया। वह सेंटर फार डेवलपमेंट आफ एडवांस्ड कंप्यूटिंग (सी-डैक) के संस्थापक और कार्यकारी निदेशक थे। वर्तमान में भारत के लिए एक्सास्केल सुपरकंप्यूटिंग विकसित करने पर काम कर रहे हैं। उन्होंने नागपुर विश्वविद्यालय, नागपुर से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में बीई की डिग्री प्राप्त की। एमएस यूनिवर्सिटी आफ बड़ौदा, वडोदरा से एमई की डिग्री और आईआईटी दिल्ली से पीएचडी की डिग्री प्राप्त की।

विजय पांडुरंग भाटकर

उन्होंने 12 से अधिक पुस्तकों और 80 तकनीकी और शोध पत्रों का लेखन और संपादन किया है। कई विश्वविद्यालयों के दीक्षांत समारोहों, अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय सम्मेलनों और सार्वजनिक समारोहों को संबोधित किया है। डीवाई पाटिल विश्वविद्यालय से मानद डॉक्टरेट की उपाधि मिली। 2014 में उन्हें गुजरात प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय से मानद पीएचडी और नागपुर विश्वविद्यालय से डी.लिट. की उपाधि से सम्मानित किया गया।

भारत के पूर्व चांसलर हैं। इससे पहले उन्होंने 2012 से 2017 तक आइआइटी दिल्ली के बोर्ड आफ गवर्नर्स के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया। वर्तमान में वह भारतीय वैज्ञानिकों के एक गैर-लाभकारी संगठन विज्ञान भारती के संगठन विज्ञान भारती के अध्यक्ष के रूप में सेवारत हैं। उन्होंने 1991 में पहला भारतीय सुपर कंप्यूटर, परम 8000 और बाद में 1998 में परम 10000 विकसित किया। सुपर कंप्यूटरों की परम श्रृंखला के आधार पर उन्होंने राष्ट्रीय परम सुपर कंप्यूटिंग सुविधा (एनपीएसएफ) का निर्माण किया, जिसे अब राष्ट्रीय ज्ञान नेटवर्क (एनकेएन) पर गरुड़ ग्रिड के माध्यम से ग्रिड कंप्यूटिंग सुविधा के रूप में उपलब्ध कराया गया है।

AMRIT VICHAR PAGE 5

लखनऊ विवि : दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि होंगे विजय पांडुरंग

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

विजय पांडुरंग भटकर

16 सितंबर को आयोजित होगा दीक्षांत समारोह

अमृत विचार : लखनऊ विश्वविद्यालय का 67वां दीक्षांत समारोह 16 सितंबर को आयोजित होगा। समारोह की अध्यक्षता राज्यपाल आनंदीबेन पटेल करेंगी। समारोह में भारतीय कंप्यूटर वैज्ञानिक, आईटी लीडर और शिक्षाविद विजय पांडुरंग भटकर मुख्य अतिथि रहेंगे। विवि प्रशासन की ओर से समारोह की तैयारियां तेज कर दी गई हैं।

विवि के प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि मुख्य अतिथि के लिए तीन नाम राजभवन को भेजे गए थे। जिसमें से विजय पांडुरंग भटकर को मुख्य अतिथि बनाने की सहमति प्रदान की गई है। विजय पांडुरंग को सुपर कंप्यूटिंग में भारत की राष्ट्रीय पहल के वास्तुकार के रूप में जाना जाता है। उन्होंने नागपुर विश्वविद्यालय, नागपुर से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में बीई की डिग्री प्राप्त की। एमएस यूनिवर्सिटी ऑफ बड़ौदा, वडोदरा से एमई की डिग्री और आईआईटी दिल्ली से पीएचडी की डिग्री प्राप्त की। कंप्यूटिंग विकसित करने पर काम कर रहे हैं। भटकर नालंदा विश्वविद्यालय के कुलपति रह चुके हैं। उन्होंने 2012 से 2017 तक आईआईटी दिल्ली के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया। वर्तमान में वे भारतीय वैज्ञानिकों के एक गैर-लाभकारी संगठन विज्ञान भारती के अध्यक्ष के रूप में कार्यरत हैं।

भटकर का जन्म महाराष्ट्र के अकोला जिले के मुराम्बा, तालुका मुर्तिजापुर में एक महाराष्ट्रीयन परिवार में हुआ था। उन्होंने नागपुर विश्वविद्यालय, नागपुर से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में बीई की डिग्री प्राप्त की। एमएस यूनिवर्सिटी ऑफ बड़ौदा, वडोदरा से एमई की डिग्री और आईआईटी दिल्ली से पीएचडी की डिग्री प्राप्त की।

आज राज्यपाल करेंगी फार्मेसी भवन का लोकार्पण

अमृत विचार : लखनऊ विश्वविद्यालय के जानकीपुरम स्थित द्वितीय परिसर में नव निर्मित द्वार और फार्मेसी भवन का लोकार्पण सोमवार को राज्यपाल आनंदीबेन पटेल करेंगी। विवि के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया एनसीसी कैडेट व्यवस्था में भागीदार होंगे। गेट के अन्दर-बाहर आकर्षक रंगोली बनाई गई है। राज्यपाल को क्लास रूम और हर्बल गार्डन के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी दी जाएगी।

नवप्रवेशित छात्र कल कराएं डाक्यूमेंट वेरिफिकेशन

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय स्नातक (यूजी) प्रवेश 2024-25 के नवप्रवेशित विद्यार्थियों का एलॉटमेंट लेटर जारी हो चुका है। जिन अभ्यर्थियों ने अभी तक डाक्यूमेंट वेरिफिकेशन नहीं कराया है। वे अभ्यर्थी अपने संबंधित संकाय विभाग में अपना एलॉटमेंट लेटर, फीस रसीद और मूल प्रमाणपत्र के साथ 3 सितंबर को 12 बजे के बाद वेरिफिकेशन करा सकते हैं। प्रवेश समन्वयक डॉ. अनित्य गौरव ने बताया कि बीए (एनईपी), बीएससी (बायोलॉजी-मैथ), बीकॉम और बीकॉम ऑनर्स और बीवीए, एमएफए प्रवेश के विद्यार्थी विश्वविद्यालय के पुराने परिसर स्थित डीन फैकल्टी में वेरिफिकेशन करा सकेंगे। इसके अलावा बीसीए, बीबीए, बीवीए (टूरिज्म) और एलएलबी (ऑनर्स) के विद्यार्थी न्यू कैंपस जानकीपुरम में जाकर वेरिफिकेशन कराना सुनिश्चित करें।

पीजी के नवप्रवेशित विद्यार्थी आज करा सकेंगे वेरिफिकेशन

लखनऊ विश्वविद्यालय में परास्नातक (पीजी) के नवप्रवेशित वे विद्यार्थी जिन्होंने किन्हीं कारणवश डाक्यूमेंट वेरिफिकेशन नहीं करा पाए हैं। वे सोमवार को दोपहर 1 बजे के बाद वेरिफिकेशन करवाना सुनिश्चित करें।

SWATANTRA BHARAT PAGE 2

सेंट्रल प्लेसमेंट सेल के प्रभावी संचालन के लिए टीमें गठित

स्वतंत्र भारत संवादादात, लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.आलोक कुमार राय के नेतृत्व में सेंट्रल प्लेसमेंट सेल के निदेशक प्रो.एके भारतीय ने एक ऑनलाइन बैठक का आयोजन किया।

इस बैठक में सेंट्रल प्लेसमेंट सेल के छात्र और संकाय सदस्य उपस्थित थे। इस दौरान सेंट्रल प्लेसमेंट सेल के प्रभावी संचालन को सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न टीमों का गठन किया गया। जिनमें इंटर्नशिप आउटरीच टीम, कॉर्पोरेट रिलेशंस टीम, डिजिटल मीडिया टीम, मीडिया डॉक्युमेंटेशन और कम्युनिकेशन टीम, क्रिएटिव डिजाइन टीम, लॉजिस्टिक्स सपोर्ट टीम और इवेंट मैनेजमेंट टीम शामिल हैं। इसके अलावा, आगामी छात्र इंडक्शन प्रोग्राम दीक्षारम्भ, जोकि 4 से 7 सितंबर तक लविवि परिसर में आयोजित होगा। जिसकी तैयारी के लिए कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा की गई।

VOICE OF LUCKNOW PAGE 6

छात्र इंडक्शन प्रोग्राम 'दीक्षारम्भ' 4 से शुरू

लखनऊ। लविवि के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय के मार्गदर्शन और नेतृत्व में सेंट्रल प्लेसमेंट सेल के निदेशक प्रो. ए.के. भारतीय ने एक ऑनलाइन बैठक का संचालन किया। इस बैठक में सेंट्रल प्लेसमेंट सेल के छात्र और संकाय सदस्य दोनों उपस्थित थे। बैठक के दौरान, सेंट्रल प्लेसमेंट सेल के प्रभावी संचालन को सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न टीमों का गठन किया गया, जिनमें इंटर्नशिप आउटरीच टीम, कॉर्पोरेट रिलेशंस टीम, डिजिटल मीडिया टीम, मीडिया डॉक्युमेंटेशन और कम्युनिकेशन टीम, क्रिएटिव डिजाइन टीम, लॉजिस्टिक्स सपोर्ट टीम और इवेंट मैनेजमेंट टीम शामिल हैं। इसके अलावा, आगामी छात्र इंडक्शन प्रोग्राम 'दीक्षारम्भ', जो 4 से 7 सितंबर तक लखनऊ विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित होगा, की तैयारी के लिए कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा की गई।